एक नजर में

उपजेल देपालपुर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर

इंदौर. तहसील विधिक सेवा समिति, देपालपुर के तत्वावधान में उपजेल देपालपुर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश एवं समिति के अध्यक्ष हिदायत उल्ला खान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि नशा व्यक्ति को अंधकार की ओर ले जाता है, जबकि संयम, सदाचार और सकारात्मक सोच ही सच्चे प्रकाश का मार्ग है. उन्होंने बंदियों से संवाद करते हुए उन्हें आत्म-सुधार, परिवार और समाज के सहयोग के लिए आगे आने की प्रेरणा दी. जिला न्यायाधीश श्री खान ने बंदियों के भोजन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण कर इस संबंध में जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए. इस अवसर पर देपालपुर न्यायालय की न्यायाधीशगण श्रीमती रिजवाना कौसर, सुमित्रा ताहेड़ एवं दिव्या श्रीवास्तव, सहित सहायक जेल अधीक्षक आर.एस. कुशवाह, प्रमुख प्रहरी रामेश्वर झाडिया, प्रहरी विवेक शर्मा, महिला प्रहरी आरती सोलिया,एकता पटेल, मेलनर्स शिवानी श्रीवास्तव, टेक्निकल असिस्टेंट इंदल राय,नायब नाजिर दिलीप यादव, आदेशिका वाहक मुकेश खत्री सहित संपूर्ण जेल स्टाफ एवं बंदी उपस्थित रहे.

आंखों की सुरक्षा को नजरअंदाज न करें

इंदौर. हर वर्ष दीपावली के दौरान पटाखों से जुड़ी आंखों की चोटों में वृद्धि देखी जाती है. इनमें जलन, कॉर्निया डैमेज, और गंभीर दृष्टि हानि जैसी समस्याएं शामिल होती हैं. इस पर जागरूकता को लेकर चर्चा करते हुए वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ.ओ.पी.अग्रवाल ने कहा दीपावली हमारे जीवन में उजास और उमंग लेकर आती है, लेकिन इस उत्सव के दौरान आंखों की सुरक्षा को नज़रअंदाज़ करना भारी पड़ सकता है. हर साल पटाखों से जुड़ी आंखों की चोटों में वृद्धि होती है, जिनमें बच्चों, बुजुर्गों और पहले से आंखों की बीमारी से पीड़ित लोगों को सबसे ज्यादा खतरा होता है. मेरी सभी नागरिकों से अपील है कि वे दीपावली को हर्षोल्लास के साथ मनाएं, लेकिन ज़रा सी सावधानी बरतकर इस पर्व को सुरक्षित भी बनाएं. आंखें हमारे जीवन की रोशनी हैं इन्हें बचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए. नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित अग्रवाल ने कहा - पटाखों से निकलने वाला धुआं आंखों में जलन, खुजली और सूखापन पैदा कर सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जो पहले से एलर्जी, डायबिटीज़ या आंखों की सर्जरी से गुज़रे हैं. मेरी सलाह है कि लोग आई ड्रॉप्स का नियमित इस्तेमाल करें और जहां तक संभव हो, प्रदूषण के समय घर के अंदर रहें. पटाखे जलाते समय सुरक्षात्मक चश्मा पहनें, बच्चों की निगरानी करें, खुले स्थान पर पटाखे जलाएं व पानी और फर्स्ट एड पास रखें.

ब्राह्मण सेवा संगठन में शर्मा निर्विरोध अध्यक्ष नियुक्त

इंदौर. शहर के आम लोगों के लिए नि:शुल्क शव वाहन, डायलिसिस के लिए प्रतिमाह आर्थिक सहायता, एमवाय अस्पताल में कई वर्षों से जरूरतमंद एवं निर्धन मरीजों को निशुल्क औषधियों का वितरण कर रही संस्था सहायता के माध्यम से सेवा कार्य करने वाली ब्राह्मण सेवा संगठन के अध्यक्ष पद पर पं. सत्येन्द्र शर्मा को तीसरी बार सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनीत किया गया है. ब्राह्मण सेवा संगठन केन्द्रीय समिति के संरक्षक अनुपम तिवारी, संयोजक अटल शर्मा एवं पवन मिश्र ने सभी पदाधिकारियों की सहमति के बाद पं. सत्येन्द्र शर्मा को फिर से संगठन की बागडोर सौंपी है. संगठन के माध्यम से हाईटेक सामूहिक विवाह, सामूहिक उद्यापन सहित विभिन्न सेवा गतिविधियां चलाई जा रही हैं. पं. शर्मा की नियुक्ति पर पं. राजेन्द्र शर्मा, अशोक शर्मा, विजय जोशी, जितेन्द्र व्यास, विशाल शर्मा, संजीव शर्मा, मुकेश शर्मा मामा, शैलेन्द्र सुगंधी, रामचंद्र दुबे तथा मातृशक्ति की ओर से सरोज कौशिक, श्रीमती संगीता शर्मा, श्रीमती मोनिका दुबे एवं ममता शर्मा सहित सभी प्रकल्पों के पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त की है.

शिक्षा व जागरूकता के ज़रिए क्रिप्टो पहुंचाएंगे लोगो तक

इंदौर. क्रिप्टो एक्सचेंज कॉइनडीसीएक्स ने इंदौर में अपना विस्तार कर ऑफिस का शुभारंभ किया. कंपनी का मकसद है कि देश के ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक क्रिप्टो को शिक्षा, नवाचार और जागरूकता के ज़रिए पहुँचाया जा सके. 3.4 लाख से अधिक क्रिप्टो समर्थकों के साथ, जो इंदौर की लगभग 10% जनसंख्या बनाते हैं, इंदौर तेजी से भारत के सबसे सक्रिय टियर-2 शहरों में उभर रहा है. यहां डिजिटल अपनाने की उच्च दर और उद्यमशीलता का मजबूत माहौल है. कॉइनडीसीएक्स के सह-संस्थापक सुमित गुप्ता ने कहा इंदौर और पूरा मध्यप्रदेश निवेशकों और ट्रेडर्स के लिए बेहद तेज़ी से उभरता बाज़ार है. यहाँ के लोगों की सोच उद्यमी है, डिजिटल ज्ञान बेहतर है और निवेश को लेकर जागरूकता लगातार बढ़ रही है। यही वजह है कि इंदौर हमारे लिए एकदम सही जगह है. इस नए केंद्र के ज़रिए हम अपने यूज़र्स के और करीब रहकर उन्हें तेज़, भरोसेमंद और पर्सनल सेवा दे पाएंगे. यह विस्तार कॉइनडीसीएक्स की उस बड़ी रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत कंपनी भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों तक अपनी पहुँच बढ़ा रही है। इन शहरों से पहले ही प्लेटफ़ॉर्म के करीब 40ल यूज़र्स जुड़े हुए हैं। कंपनी चाहती है कि पूरे देश में क्रिप्टो निवेश को और आसान, सुरक्षित और समझने योग्य बनाया जाए - ताकि नई पीढ़ी के निवेशक और क्रिप्टो प्रेमी सिर्फ़ महानगरों में नहीं, बल्कि हर शहर में इसका हिस्सा बनें.

8 किलोमीटर लंबी टनल में चलेगी मेट्रो

दिसंबर से शुरू होगी मेट्रो की अंडर ग्राउंड खुदाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. आगामी दिसंबर से मेट्रो रेल लाइन की 8 किलोमीटर लंबी अंडर ग्राउंड खुदाई शुरू होगी. इसके लिए शनिवार को मेट्रो लाइन के अंडर ग्राउंड सेक्शन में पहला कास्टिंग कार्य शुरू हो गया है. खास बात यह है कि मेट्रो रेल की अंडर ग्राउंड लाइन के लिए कंपनी द्वारा टीबीएम दिसंबर के पहले हफ्ते में बुलवाने की तैयारी शुरू की जा रही है. अंडर ग्राउंड लाइन खोदने के कार्य का ठेका टाटा और एचसीसी ने संयुक्त रूप से लिया है.

2192 करोड़ की लागत से यह काम तीन से चार साल में पूरा होगा. उक्त अंडर ग्राउंड लाइन के लिए दिसंबर में कंपनी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) से खुदाई शुरू करने की तैयारी कर रही है.

शनिवार को सुबह इसी कड़ी में कंपनी द्वारा कास्टिंग यार्ड में पहले सेगमेंट का कार्य प्रारम्भ किया गया है. मेट्रो रेल के प्रबंध संचालक कृष्ण चैतन्य ने भूमिगत मेट्रो कार्य और उसकी गुणवत्ता व सुरक्षा मानकों की समीक्षा की.

एमडी ने सुपर कॉरिडोर से रेडिसन तक किया निरीक्षण

मेट्रो रेल प्रबंध संचालक कृष्ण चैतन्य ने शनिवार को दोपहर में एससी-02 स्टेशन से विजय नगर स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन की यात्रा की. इस दौरान उन्होंने उक्त मार्ग में स्थित मेट्रो स्टेशनों का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रैक, स्टेशन निर्माण, तकनीकी सिस्टम के कार्यों एवं सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया. इस दौरान प्रबंध संचालक ने अधिकारियों एवं कॉन्ट्रैक्टर्स को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए. साथ ही सुरक्षा और यात्री सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए. निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक के दौरान मेट्रो परियोजना के वरिष्ठ अधिकारी, कॉन्ट्रैक्टर्स एवं जनरल कंसल्टेंट प्रतिनिधि उपस्थित थे.

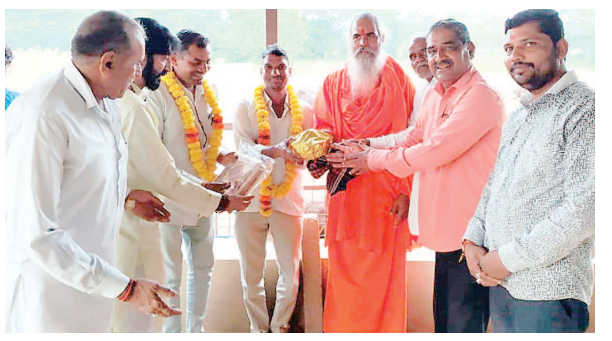

पशु चिकित्सकों व गोसेवकों का सम्मान

धनवन्तरी जयंती पर गोकुलम गोशाला में

इंदौर. यशवंत सागर हातोद रोड स्थित गोकुलम गोशाला पर धनवंतरी जयंती के उपलक्ष्य में मां पराम्बा गो भक्त मंडल की मेजबानी में गोवंश की सेवा करने वाले पशु चिकित्सकों का सम्मान गो सेवी संत स्वामी अच्युतानंद के सानिध्य में किया गया. गोशाला के प्रभारी एवं विहिप के गो सेवा प्रभारी योगेश होलानी ने बताया कि इस अवसर पर भारत रक्षा मंड के प्रदेशाध्यक्ष राजेश बिंजवे, विशाल जादम, क्षेत्र के प्रगतिशील किसान एवं गोपालक रतनसिंह, पोपसिंह, बालकृष्ण के आतिथ्य में डॉ. मोहन, डॉ. आर.एस. चौहान एवं अन्य गो सेवकों का सम्मान किया गया. स्वामी अच्युतानंद ने इस अवसर पर गो सेवाकों एवं पशु चिकित्सकों की सेवाओं की खुले मन से सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश में स्वस्थ एवं हस्ट पुस्ट नस्ल की गोवंश की संख्या में निरंतर वृद्धि होती रहेगी. गोसेवकों और पशु चिकित्सकों की सेवाओं का ही नतीजा है कि प्रदेश में गोवंश पालन के प्रति आम लोगों का रुझान बढ़ रहा है. योगेश होलानी ने आभार माना.

सेवा और श्रम का संगम होता है आश्रम

इंदौर. आश्रम केवल साधु संतों का निवास स्थान नहीं होता बल्कि जहां शिक्षा संस्कृति और संस्कारों का ज्ञान प्राप्त होता है उसे आश्रम कहा जाता है. आश्रम में सेवा और श्रम का पावन संगम होता है।

उपर्युक्त उद्गार हिंदी परिवार इंदौर के अध्यक्ष हरे राम बाजपेई ने आनापुर उत्तर प्रदेश में स्नेहाआश्रम के उद्घाटन अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में व्यक्त किये. विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान प्रयागराज का 29 वां अधिवेशन 3 दिन 12 13 14 अक्टूबर 25को नैनी प्रयागराज में संपन्न हुआ जहां हिंदी साहित्य में विविध विमर्श विषय पर देश के साहित्यकारों के अलावा विदेशों के विद्वानों ने आभासी रूप से अपने विचार व्यक्त किये. इंदौर की डॉक्टर वंदना अग्निहोत्री ने बाल विमर्श पर इसके महत्व को दर्शाया. कार्यक्रम में उन्हें डॉक्टर शहाबुद्दीन शेख स्मृति विशिष्ट हिंदी सेवा सम्मान 2024 भी प्रदान किया गया. इनके अलावा कई साहित्यकारों को भी सम्मान प्रदान किए गए. इस तीन दिवसीय साहित्यिक मेले में कई राज्यों से साहित्यकारों ने सहभागिता की.

नवीन गर्भनिरोधक इंप्लांट का पहला प्रयोग सफल

प्रकाश चंद सेठी सिविल अस्पताल में डॉ. सारा खान की टीम ने किया सफल इंप्लांट

नव भारत न्यूज

इंदौर. भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत इंदौर जिले में नवीन गर्भनिरोधक साधन इंप्लांट का पहला सफल प्रयोग शासकीय प्रकाश चंद सेठी सिविल अस्पताल में किया गया. यह प्रयोग डॉ. सारा खान और उनकी नर्सिंग टीम द्वारा किया, जो परिवार कल्याण कार्यक्रम की दिशा में जिले की एक अहम उपलब्धि मानी जा रही है.

जिले में हाल ही में इंप्लांट और अंतरा एससी जैसे नवीन गर्भनिरोधक साधनों के उपयोग के लिए अभिमुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित किया था. यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश एवं जिला स्वास्थ्य समिति इंदौर द्वारा यूएनएफपीए के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें शहरी क्षेत्र के ब्लॉक अधिकारियों और चिकित्सा अधिकारियों ने भाग लिया. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने गर्भनिरोधक इंप्लांट की सफलता पर अस्पताल प्रबंधक, चिकित्सा अधिकारी और नर्सिंग टीम को बधाई दी. उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं को दीर्घकालिक और विश्वसनीय गर्भनिरोधक विकल्प प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी. जिलाधीश इंदौर के मार्गदर्शन में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग लगातार स्वास्थ्य सेवाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रयासरत है.

क्या होता है इंप्लांट...

इंप्लांट एक छोटा, लचीला रॉड होता है, जिसकी लंबाई लगभग चार सेंटीमीटर होती है. इसे प्रशिक्षित प्रदाता द्वारा महिला की ऊपरी बांह की त्वचा के नीचे लगाया जाता है. यह विधि तीन वर्ष तक गर्भधारण से सुरक्षा प्रदान करती है और महिला चाहे तो इसे निकलवाकर तुरंत गर्भधारण भी कर सकती है. यह सुरक्षित, प्रभावी और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए भी उपयुक्त गर्भनिरोधक विधि मानी जाती है.

विद्याधाम पर आयुर्वेद चिकित्सकों का सम्मान

धनवन्तरी के जन्मोत्सव पर किया दीपदान

इंदौर. श्रीविद्याधाम पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में शनिवार शाम भगवान धनवन्तरि का जन्मोत्सव सौल्लास मनाया गया। इस मौके पर शहर के प्रमुख आयुर्वेद चिकित्सकों का सम्मान भी किया गया। धनतेरस के उपलक्ष्य में शाम को आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में यम दीपदान भी संपन्न हुआ. सैकड़ों भक्तों ने इस मौके पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई.

आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेन्द्र महाजन ने बताया कि शाम को आयुर्वेद के जनक भगवान धनवन्तरी का आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में 11 विद्वानों ने शोडषोपचार पूजन एवं गो दुग्ध से अभिषेक किया। आश्रम परिवार की ओर से शहर के प्रख्यात आयुर्वेद चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों का सम्मान भी किया गया. इनमें वैद्य प्रकाश शर्मा, डॉ. लोकेश जोशी, गोपाल कृष्ण पाराशर, डॉ. विद्यादेवी पाराशर, डॉ. अखिलेश भार्गव, डॉ. राजेश दांगी, डॉ. दीक्षित प्रमुख थे. प्रारंभ में आश्रम के आचार्यों ने स्वस्ति वाचन किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चिकित्सा जगत से जुड़े बंधु एवं वैद्य तथा विद्वान उपस्थित थे. भगवान धनवन्तरी के चित्र पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संचालन पं. दिनेश शर्मा ने किया. कार्यक्रम में आश्रम के न्यासी मंडल के सदस्य भी उपस्थित थे.दीपदान- धनतेरस के उपलक्ष्य में शाम को सैकड़ों भक्तो के साथ आचार्य मंडल द्वारा यमदेव को दीपदान भी किया गया। भगवान धनवन्तरी लक्ष्मीजी के बड़े भाई है और समुद्र मंथन के दौरान निकले 14 रत्नों में से एक हैं। आश्रम पर दीपावली से जुड़े सभी उत्सवों की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

प्राचीन वृक्षों को 'धरोहर' मानकर हुआ पूजन

प्रसाद में दिए तुलसी और गिलोय के पौधे

इंदौर. मालवमंथन द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार इस वर्ष भी धनतेरस पर औषधीय पौधों एवं प्राचीन धरोहर वृक्षों का पूजन कर हरित और आरोग्य दीपावली की शुरुआत की गई.

आयोजन स्थल लालबाग परिसर इस अवसर पर हरियाली, सुगंध और भक्ति की उजास से आलोकित हो उठा. कार्यक्रम में पर्यावरणविद् डॉ.ओ.पी.जोशी ने चर्चा में कहा इंदौर की धरती पर ऐसे वृक्ष खड़े हैं जिन्होंने शहर के विकास के साथ-साथ उसके इतिहास को भी जिया है. ये वृक्ष सिर्फ प्रकृति का हिस्सा नहीं, हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं. जब हम इनका पूजन करते हैं, तो यह केवल धार्मिक नहीं बल्कि भावनात्मक और नैतिक जिम्मेदारी का प्रतीक है. हमें इन्हें 'जीवित धरोहर' मानकर बचाना होगा,क्योंकि यही वृक्ष हमारी अगली पीढ़ियों की सांसों के संरक्षक हैं. साहित्यकार हरेराम वाजपेयी ने अपने संचालन में कहा दीपावली का अर्थ केवल दीप प्रज्वलन नहीं, बल्कि मन के अंधकार को हरित प्रकाश से भरना भी है. कार्यक्रम के संयोजक डॉ. स्वप्निल व्यास ने मालवमंथन की इस परंपरा के पीछे के भाव को गहराई से बताते हुए कहा धनवंतरी जयंती केवल आयुर्वेद या आरोग्य का उत्सव नहीं है, यह उस प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है जिसने हमें जीवन के लिए आवश्यक औषधीय वरदान दिए हैं। गिलोय, तुलसी, नीम, आंवला ये केवल पौधे नहीं, हमारे जीवन के प्रहरी हैं. कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद योगेश गेंदर ने भी नागरिकों से अपील की कि हम सब अपने घरों के आंगनों में कम-से-कम एक औषधीय पौधा अवश्य लगाएं। इस अवसर पर प्राचीन धरोहर वृक्षों का पूजन किया गया तथा तुलसी एवं भगवान धनवंतरी के साथ समुद्रमंथन से प्राप्त गिलोय की बेल का प्रतीक रूप में वितरण किया गया. कार्यक्रम में डॉ.तेजप्रकाश व्यास,विजय कोठारी, एन.के.उपाध्याय, अक्षय नीमा एवं हरिओम योग ग्रुप के सदस्य सहित पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे.

संभागस्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में रेनेसा महाविद्यालय विजेता

इंदौर. मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर की संभागस्तरीय बास्केटाबॉल (महिला) प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन शा. होलकर महाविद्यालय द्वारा किया गया.

प्रतियोगिता का समापन इन्दौर अध्यक्ष मानव सेवा सदन इन्दौर रुद्राक्ष शुक्ला एवं प्राचार्य डॉ.अनामिका जैन के मुख्य अतिथ्यि में किया गया. इसमें विजेता एवं उपविजेता टीमों को मोमेन्टो एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये. विशेष अतिथि के रुप मे अतिरिक्त संचालक म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग डॉ. आर. सी. दीक्षित एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. नागेश डंगावकर उपस्थित थे. फायनल मैच यू.टी.डी तथा रेनेसा महाविद्यालय के मध्य खेला गया जिसमें रेनेसा महाविद्यालय ने कडे संघर्ष में आखरी मिनट में यू.टी.डी को 04 पाईंट से हराकर विजेता होने को गौरव प्राप्त हुआ. मैच में 40 मिनट के संघर्ष के बाद 46-42 स्कोर हुआ। जिसेमें दोनों टीम लगातार एक दूसरे की टक्कर देती रही अंत में रेनेसा ने संयम का परिचय देते हुये आखरी मिनट में बास्केट करते हुये खिताब हासिल किया।

क्रीड़ा अधिकरी डॉ. अनुपम शर्मा आयोजन सचिव ने बताया प्रतियोगिता का समापन में रुद्राक्ष शुक्ला एवं प्राचार्य डॉ. अनामिका जैन द्वारा भाग लेने वाली सभी टीमों से परिचय प्राप्त किया एवं विजेता और उपविजेता को ट्राफी, मूमेंटो एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किये. प्रतियोगिता में कुल 7 टीमों ने भाग लिया. प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर डॉ. पी.के शर्मा, डॉ. विवेक रैच, डॉ. संजय व्यास, डॉ. पूनम कौशिक, डॉ. राघव जायसवाल, श्री उमंग अग्रवाल, डॉ. अविनाश यादव, डॉ. नीलेश मंडलोई एवं क्रीड़ा समिति के सभी सदस्य उपस्थि थे. संचालन डॉ. अनुपम शर्मा विभागाध्यक्ष क्रीड़ा विभाग द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. शुभदा भोसले द्वारा किया गया. प्रतियोगिता संचालन में सहयोग क्रीड़ा विभग के आशीष यादव, रुपाली प्रजापत, नवीन पाल, अजीत जैन द्वारा किया गया.

एक नजर में

महालक्ष्मी मंदिर सहित अन्य देवालयों में भी पूजा-अर्चना के बाद प्रज्ज्वलित किए गए सैकड़ों दीप- लगा भक्तों का मेला

इक्यावन सौ दीपों से जगमगा उठा हंसदास मठ परिसर

इंदौर. एयरपोर्ट रोड पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर शनिवार को धन तेरस के उपलक्ष्य में मठ परिसर में 5100 दीपों से सजावट कर 6 दिवसीय दीपोत्सव का शुभारंभ हुआ.

मठ के अधिष्ठाता महामंडलेश्वर श्रीमहंत स्वामी रामचरणदास महाराज के सानिध्य एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के मार्गदर्सन में मठ स्थित सभी देवालयों में पूजा-अर्चना कर दीप प्रज्जलित किए गए. पं. अमित दास ने बताया कि इस अवसर पर रामलला के दरबार सहित भगवान टीकमजी, रणछोड़जी तथा मठ स्थित प्राचीन महालक्ष्मी मंदिर सहित सभी देवालयों को भी सैकड़ों दीपों से रोशन किया गया. सम्पूर्ण परिसर में आकर्षक रोशनी कर हंसदास विद्यापीठ के वेदपाठी बटुकों द्वारा दीप आराधना भी की गई. दीपोत्सव तक प्रतिदिन महालक्ष्मीजी का विभिन्न स्वरूपों में श्रृंगार किया जाएगा. इसके साथ ही दीपावली, उसके बाद धोक पड़वा, गोवर्धन पूजा, भाई दूज एवं अन्य त्योहारों पर भी आकर्षक रोशनी एवं पुष्प सज्जा की जाएगी. मठ पर दीपावली का मुख्य महापर्व 20 अक्टूबर को तथा गोवर्धन पूजा का उत्सव 22 अक्टूबर को मनाया जाएगा। बैकुंठ चतुर्दशी का पर्व 4 नवम्बर को आयोजित होगा और उसी दिन अन्नकूट महोत्सव भी होगा.